RNI: RAJBIL/2014/64287
ISSUE (अंक)-2021-04

Estd. in 2008
''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ''

मैं एक मनुष्य हूँ और जो कुछ भी मनुष्यता को प्रभावित करता है उसी से मेरा मतलब है।

– सरदार भगतसिंह

Jayoti Vidyapeeth Women's University, Jaipur

Jayoti Muhim

मासिक समाचार पत्र
April, 2021

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस– 2021

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय प्रांगण में फैकल्टी ऑफ ला एण्ड गवर्नन्स द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन माननीया जे.वी.एन. विदुषी गर्ग जी ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर चेयरपर्सन माननीय जे.वी.एन. विदुषी गर्ग जी का स्वागत किया गया। फैकल्टी ऑफ ला एण्ड गवर्नन्स के पूर्व डीन डॉ. आर.के. पाटनी के द्वारा पुष्प गुच्छ दे कर किया इस कार्यक्रम में अतिथी माननीय श्री सत्य प्रकाश सोनी (सेक्रेटरी , डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी , अडिश्नल डिस्ट्रिक्ट एण्ड सेशन जज) का स्वागत चेयरपर्सन माननीया जे.वी.एन. विदुषी गर्ग जी ने पुष्प गुच्छ दे कर किया। इस दौरान विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार भी उपस्थित रहीं। इस मौके पर वेलकम स्पीच मे डॉ. आर.के. पाटनी द्वारा सभी छात्राओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाए दी तथा छात्राओं को सशक्तहोने हेतु प्रेरित किया एवं महिला कानूनों के बारे विस्तार से जानकारी प्रदान की। छात्राओं ने भी इस अवसर पर प्रतिज्ञा ली, कि वे अपने जीवन को अनुशासन में परिवर्तित करेंगे। कार्यक्रम के अतिथी माननीय श्री सत्य प्रकाश सोनी जी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर छात्राओं को संबोधित किया और

Jv'n Vidushi Garg
Chairperson

Congratulations

TO ALL ***Students, Parents, Teachers & Well Wishers of JVWU Fraternity,***
We accomplished our goal of 12 B Status

Admission Open 2021

Join University for Higher Education
to Apply for

RECEIVING GRANTS

from UGC & Central Government for
All Discipline Programs / Courses

बताया कि वे किस तरह से लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ व भेदभाव के खिलाफ अपनी आवाज उठा सकती है और कानून का सहायता ले सकती हैं। छात्राओं द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा कि वे अपने आप को सशक्त बनाकर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के लक्ष्य के सफल बना सकती हैं। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की छात्राएं और अध्यापक गण भी उपस्थित रहे।

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय प्रांगण में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर छात्राओं को प्रोत्साहित करने हेतु विश्वविद्यालय परिसर मे अलग अलग विभागों के द्वारा अलग अलग स्टॉल लगाई गई। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन माननीया जे.वी. एन. विदुषी गर्ग जी ने फीता काट कर किया। चेयरपर्सन माननीया जे.वी. एन. विदुषी गर्ग जी सभी स्टॉल पर गई तथा सभी स्टॉल के बारे मे सभी जानकारी ली तथा छात्राओं को अपने भविष्य के लिए शुभकामना दी । इस मौके पर छात्राओं के अलग अलग स्टॉल लगाई जिसमे फूड स्टॉल, चाट स्टॉल,दाल- बाटी स्टॉल, फोटोग्राफी स्टॉल, फैशन स्टॉल, आयुर्वेदिक स्टॉल, वैस्ट मेट्रीयल स्टॉल आदी। छात्राओं द्वारा फूड मे इम्यूनिटी हेतु साबूत मसालों का उपयोग किया गया है। बाटी को गैस पर ना बना कर गोबर के उपलो पर बनाया गया है जिससे लोगों की हेल्थ का भी ध्यान रखा जा सके ।इस कार्यक्रम का उद्देश यह बताना है की आज की महिला किसी से कम नहीं है ।बड़े से बड़े कामों मे आज महिला आगे आ रही है आज पुरूषों से कन्धे से कन्धे मिला कर महिला आगे आ रही है ।इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की छात्राएं और अध्यापक गण भी उपस्थित रहे।

होली का त्योंहार

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में 28 मार्च 2021 की शाम रंगो का त्योहर होली का उत्सव शुरू हुआ जहां पहले दिन होलिका दहन किया जाता है 28 मार्च को ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय के संस्थापक और सलाहकार माननीय डॉ.पंकज गर्ग और विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन माननीय जेवीएन विदुषी गर्ग ने विश्वविद्यालय की छात्राओं के साथ हर्षोंलास के साथ में होलिका का दहन किया दूसरे दिन 29 मार्च को होली का उत्सव विश्वविद्यालय की बालिकाओ के साथ मनाया और उन्हे बूराई पे अच्छाई की जीत का संदेश दिया और उत्सव की शुरुआत की और बालिकाओ ने एक दूसरे के रंग लगा कर होली का त्योंहार मनाया।

लगात्तार बढ़ रही भीड़तंत्र द्वारा हिंसा

(Article by Prity Ranolia)

भीड़तंत्र यानि की लोगो के झुण्ड द्वारा गैर कानूनी रूप से किसी शक में या फिर किसी गलतफ़हमी के कारण बिना क़ानून के दोषी ठहराए किसी व्यक्ति की पीट – पीट कर हत्या कर देना। पिछले कई वर्षों से भीड़तंत्र की समस्या अत्यधिक देखने को मिल रही है और यह लगातार बढ़ती ही जा रही है। हाल ही में उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में पुलिस के सामने ही एक हत्या के आरोपी की लोगो की एक भीड़ द्वारा पीट – पीट कर हत्या कर दी गयी । इन सब घटनाओ को देखते हुए ऐसा लगता है कि लोगो के अंदर गलत काम करते हुए पुलिस और कानून का कोई खौफ ही नहीं है। लोगो को अब कानून को अपने हाथ में लेने से भी डर नहीं लगता है। सबसे अधिक मॉब लिंचिंग की घटनाये सोशल मीडिया द्वारा फैलाई जाने वाली अफवाहों ,शक एवं झूठी ख़बरों के कारण होती है। सोशल मीडिया के इस गलत इस्तेमाल को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसे रोकने के प्रयास भी किये है जैसे व्हाट्सप्प पर पहले हम 20 लोगो को एक साथ कोई भी सन्देश भेज सकते थे लेकिन इस तरह की अफवाहों को देखते हुए और इनसे होने वाली हिंसा को रोकने के लिए एक छोटा सा कदम उठाया गया है और अब इंडिया में लोग एक सन्देश को एक बार में केवल 5 लोगो को ही भेज सकते है हालाँकि सरकार को इसे रोकने के लिए और भी बड़े कदम उठाने होंगे परन्तु यह भी इस तरह की हिंसा को रोकने की शुरुआत है। भीड़तंत्र की इस हिंसा को बढ़ता देख सुप्रीम कोर्ट ने जल्द से जल्द इसे रोकने के लिए राज्य सरकारों को नए नियम बनाने और इस समस्या पर गंभीर रूप से विचार करने के आदेश दिए थे और मॉब लिंचिंग करने वाले लोगो को फांसी की सजा देने का प्रावधान किया गया था। लेकिन इसमें अभी तक कोई सुधार देखने को नहीं मिला है। मॉब लिंचिंग को न ही भारतीय दंड संहिता, न ही सीआरपीसी और न ही भारतीय सविधान में भी परिभाषित नहीं किया गया है। अगर पिछले कई सालो के भीड़तंत्र के आंकड़ों को देखे तो उत्तरप्रदेश में सबसे अधिक मॉब लिंचिंग की घटनाये देखने को मिलती है 2018 के पहले छह महीनो के भीड़तंत्र के आंकड़ों को देखे तो इसमें उत्तरप्रदेश में मॉब लिंचिंग के कुल 18 केस सामने आये है और अब भी यह अपनी गति पर है। भीड़तंत्र को हमे भयावह और विशाल रूप लेने से पहले ही रोकना होगा वरना यह कोरोना महामारी की तरह हर तरफ तीव्र गति से फ़ैल जायेगा और फिर इसे रोकना बहुत ज्यादा मुश्किल हो जायेगा। जिस तरह परदा प्रथा एवं दहेज़ प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों ने अपनी गहरी जड़े जमा रखी है और उन्हें ख़त्म करना बहुत मुश्किल हो गया है उसी तरह भीड़तंत्र भी समाज के लिए एक गंभीर समस्या बन जाएगी। पशुओं को लेकर , धर्म के नाम पर, बच्चो को उठाने के शक में एक दरिंदो के झुण्ड द्वारा किसी व्यक्ति की बिना उसे दोषी ठहराए उसके साथ हिंसा करना उसे मरना ये कहा का न्याय है क्या पता उसने अपराध किया भी है या नहीं ? या फिर उस पर झूठा आरोप लगाया गया है। इस तरह की दरिंदगी से न जाने कितने निर्दोष लोगो की जान गयी है ? इस तरह की हिंसा कानून और इंसानियत के सरासर खिलाफ है । अगर इसी तरह लगातार ये घटनाये बढ़ती रही तो एक दिन भीड़तंत्र लोकतंत्र पर भरी पड़ जायेगा और लोग कोर्ट कचहरी पर विश्वास करने की बजाये भीड़तंत्र को न्याय करने के लिए चुनेंगे और जिसमे किसी को भी उचित न्याय नहीं मिल पायेगा । इस भीड़तंत्र को बढ़ता देखकर लगता है कि अगर इसे रोका नहीं गया तो भारत एक दिन लोकतान्त्रिक देश की बजाय भीड़तांत्रिक देश बन जायेगा।

दूसरे देशों की मदद से चीन बना रहा भारत को घेरने की रणनीति

(Article by Prity Ranolia)

ज्ब किसी चीज को चारों तरफ से घेर लिया जाता है तो वह अक्सर कमजोर पड़ जाती है और उसे वश में करना काफी आसान हो जाता है कुछ इसी तरह के चक्रव्यूह रचना चीन भारत के लिए कर रहा है। अगर कभी भारत और चीन के बीच युद्ध हो जाए तो उसकी तैयारी चीन अभी से कर रहा है। चीन हिंद महासागर में नेटवर्क ऑफ चाईनीज मिलिट्री और वैश्विक सुविधाएं विकसित कर रहा है तथा हॉर्न ऑफ अफ्रीका से लेकर चाईनीज मेनलैंड तक मिलिट्री बेस स्थापित करने के लगातार प्रयास कर रहा है ताकि भारत पर राजनीतिक और सैन्य घेराव कर सके। कहा जाता है कि इस रणनीति का शुरुआत 2004 में स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स की परिकल्पना के बाद हुई है और इस घेराव की रणनीति को स्ट्रिंग ऑफ पिय्लर्स, बेल्ट एंड रोड इनिशियेटिव तथा कर्ज जाल कूटनीति तीनों मिलकर पूरा करते है।

चीन ने भारत के सभी पड़ोसी देशों तथा हिंद महासागर के निकट लगभग सभी देशों में कहीं ना कहीं निवेश किया है जहां से वह भारत द्वारा किये जाने वाले हर काम पर निगरानी रखने की कोशिश कर रहा है। चीन द्वारा पूर्व अफ्रीका, मालदीव, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश म्यांमार, नेपाल और ईरान इन सभी देशों के साथ कई सारे समझौतों पर हस्ताक्षर तथा निवेश किया गया है। माना जाता है कि यह चीन द्वारा भारत को घेरने की रणनीति से किया जा रहा है। पूर्व अफ्रीका में स्थित डीजीबूटी चीन का सबसे स्थिर स्थान है जो बाब-एल-मनदेब में एक जगह है और यह अदन की खाड़ी को लाल सागर से अलग करता है। यहां चीन द्वारा 2017 में मिलिट्री बेस स्पोर्ट तैयार किया गया था। इस क्षेत्र में सोमालिया की समुद्री डकैती की बहुत अधिक समस्या है जिसके कारण यहां चीन के अलावा अमेरिका, फ्रांस, जापान के भी मिलिट्री बेस स्थापित है। पूर्व अफ्रीका में चीन वित्तीय समस्या का फायदा उठाकर अपनी कर्ज जाल की कूटनीति अपना रहा है। सेंटर फोर स्ट्रटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडी के अनुसार चीन अफ्रीका के 46 बंदरगाहों में किसी न किसी शामिल है जिनमें से 6 पोर्ट में चीन की नौसेना द्वारा क्रियाएं देखी गई है। पोर्ट सूडान, पोर्ट मसावा, केन्या के लामू तथा मुमबासा पोर्ट, तंजानिया के दर ए सलाम, मरहुबी मतवारी पोर्ट पर चीन द्वारा निवेश किया गया है। ओमान में भी चीन कई सालों से बडा निवेशक रहा है और डुकम पोर्ट को एक औद्योगिक शहर बनाने की कोशिश कर रहा है जिसके लिए चीन द्वारा आने वाले समय में 10 अरब डॉलर

खर्च किये जा सकते हैं। ईरान पर अमेरिका की तरफ से 2018 न्युक्लियर पावर को लेकर लगाए गए प्रतिबंधो के बाद अब चीन ईरान के संबंध बनाने का प्रयास कर रहा है जिसके चलते ईरान और चीन के बीच 25 साल के लिए 400 बिलियन डॉलर का एक एग्रीमेंट साइन किया गया है। अमेरिका से संबध बिगड़ने के बाद अब चीन और पाकिस्तीन के संबधों में भी तेजी से बदलाव हो रहा है। पाकिस्तान ने ग्वादर पोर्ट के कंसट्रक्सन राईटस अगले 40 साल के लिए चीन को दे दिए गए हैं। चाईना पाकिस्तान इकोनेमिक कोरिडोर (सीपीईसी) इंडिया के लिए एक बड़ा चिंता का विषय है क्योंकि यह पाकिस्तान अधिकत कश्मीर से होकर गुजरेगा। सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान का सबसे बडा आर्म पार्टनर चीन है जो कि 2009 -18 के बीच 58.42: था तो वहीं 2014 -18 में 69.12: हो गया। चीन बांग्लादेश के साथ भी अपने अच्छे सबंध बनाने की पूरी कोशिश कर रहा है। इंडिया और बांग्लादेश का बीच जिसके लेकर अक्सर विवाद होते रहते है उसी तीसता नदी के पानी के बहाव के प्रबंधन का प्रस्ताव चीन ने बांग्लादेश को दिया है तथा 80 से 85: निवेश चीन द्वारा किया जा सकता है। 2019 में बांग्लादेश ने चीतागोंग तथा मोंगला पोर्ट का एक्सेस चीन को दे दिया है। मालदीव में भी चीन द्वारा कई जगहों का इस्तेमाल किया जा रहा है। चीन द्वारा श्रीलंका में सबसे ज्यादा कर्ज जाल की कूटनीती अपनाई जा रही है यहां के हंबनटोटा पोर्ट को चीन ने 99 साल के लिए लीज़ पर लिया है और अब कोलबों पोर्ट को लेकर श्रीलंका सरकार द्वारा एक बिल भी पास किया गया है जो चीन का अधिकार कोलंबो पोर्ट पर बढ़ाने में सहयोग करेगा। 2020 में शी जिपिगं द्वारा म्यांमार की यात्रा में चीन और म्यांमार के बीच कई सारे समझौतों पर हस्ताक्षर किये गए। नेपाल ने भारत पर निर्भरता कम करने के लिए चीन के साथ निवेश को बढ़ा दिया है जिसमें सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट तिब्बत में लहासे से काटमांडू तथा लंबिनी तक रेलवे लाईन है। चीन ने वखान बॉर्डर से 12 किलोमीटर दूर एक मिलिट्री बेस बनाया हुआ है। चीन द्वारा घेराव की यह रणनीति भारत के लिए भविष्य में समस्या खड़ी कर सकती है।

BEAUTIFUL WORLD

(Article by Anjlika)

This beautiful world of ours is all filled with numerous unknown stories. And we all grow up exploring the hidden chronicles. For all the traveling you experience, it leaves you speechless and turns you into a story teller gradually. India, the incredible sub continent, provides with the best panoramic view which mesmerises you on the very first moment your eyes capture the scenery. The land of many geographical contrasts is rich in many tourist sites. Here are some of the most loved tourist places that can surely be added on the top of your exploration list. Taj Mahal - This iconic domed mughal mausoleum will excite you and keep you calm at the same time. It's famous for its various architect aspects. It's been build in the memory of Mumtaz by his beloved Shahajahaan. Ranthambore National Park - If you're fond of the lovely green nature, this is the best place for you to roam around and discover the beauty of the nature in a whole different way. You can experience the fun of Jungle Safari, and visit Ranthambore Fort and Padam Talao Lake too, unfolding facts about Indian flora and fauna.

Amber Palace - Wanna have a good glimpse of Rajputana Royalty!? Amber fort is your kind of a place dear. The fort had been built in the 16th century, telling the interesting historical tales. You can definitely taste the colours of Rajasthan here, and the admirable beauty of the Pink City Jaipur will make a place in your heart forever.

Hawa Mahal - Not only Amber Palace, Jaipur also possess the great Hawa Mahal, which had been made up of the pink/red sandstone. It's also known as the 'Palace of the Winds'. The place is the best combination of love and care along with the priceless glamour of the City.

The Red Fort - The Red Fort or Lal Qila is a historic fort in Old Delhi, Delhi in India that served as the main residence of the Mughal Emperors. Emperor Shah Jahan commissioned construction of the Red Fort on 12 May 1638, when he decided to shift his capital from Agra to Delhi. This place is a symbol of the Mughal Emperors.

Sri Harmandir Sahib - The Golden Temple is a gurdwara located in the city of Amritsar, Punjab, India. It is the preeminent spiritual site of Sikhism. The gurdwara is built around a man-made pool that was completed by the fourth Sikh Guru, Guru Ram Das, in 1577. This sacred place will ensure the perfect peace to your soul.

The list isn't going to end so soon, because the country which we are talking about is a gorgeous combination of plateaus, grasslands, plains, mountains, hills, oceans, lakes and Clean and green tourist attractions. After all, when you travel, it really needs to be a journey of purpose, meaning, discovery, adventure, exploration and learning. And India's the best of places, where you can accomplish all of these, along with enjoyment.

© सर्वाधिकार सुरक्षित
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. पंकज गर्ग द्वारा लक्ष्मी ऑफसेट, G-1 मधुबन कॉलोनी टोंक फाटक जयपुर-302018 से मुद्रित एवं ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, वेदान्त ज्ञान वैली, ग्राम-झरना, महलां जोबनेर लिंक रोड़ जयपुर - अजमेर एक्सप्रेस वे जयपुर-303122 से प्रकाशित।
घोषणा एवं शर्तें : समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र केवल जयपुर होगा। 'Jayoti Muhim (ज्योति मुहिम)' में प्रकाशित लेखों, चित्रों एवं अन्य सामग्री से सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। कॉपीराइट उल्लंघन की स्थिति में केवल संबंधित लेखक का ही दायित्व होगा।